नियतकार्य

बी. एड. कार्यक्रम
द्वितीय वर्ष
(जनवरी 2025)

नियतकार्य
बी.एड. कार्यक्रम द्वितीय वर्ष (जनवरी 2025)
शिक्षा विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

नियतकार्य
बी.एड. द्वितीय वर्ष
(जनवरी 2025)

निर्देश :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) दीजिए।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

बी.ई.एस.–126 : ज्ञान और पाठ्यचर्या

1. पाठ्यचर्या रूपरेखा (करिकुलम डिज़ाइनिंग) के विविध उपागमों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए, उनमें से किस एक को आप पसन्द करेंगे और क्यों?
2. विद्यालयों में पाठ्यचर्या नेताओं के रूप में शिक्षकों की भूमिका का उपयुक्त उदाहरणों द्वारा वर्णन कीजिए।
3. कक्षाकक्ष को सहयोगी ज्ञान–निर्माण के लिए एक स्थान के रूप में बनाने के लिए आप किन तरीकों को अपनायेंगे ? परिचर्चा कीजिए।

बी.ई.एस.–127 : अधिगम के लिए आकलन

1. रचनात्मक और संकलनात्मक मूल्यांकन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। उपयुक्त उदाहरणों द्वारा अन्तर स्पष्ट कीजिए। विद्यालय व्यवहारों के लिए आप किस प्रकार के मूल्यांकन को सर्वाधिक उपयोगी मानते हैं? अपने विचारों को न्यायोचित ठहराइये।
2. विश्वसनीयता की अवधारणा और विधियों की व्याख्या कीजिए। परीक्षण की विश्वसनीयता को प्रभावित करने वाले कारकों की परिचर्चा कीजिए।
3. नैदानिक परीक्षण क्या है? लब्धि परीक्षण से यह किस प्रकार भिन्न हैं? उन स्थितियों की परिचर्चा कीजिए जहाँ पर आप अपने पढ़ाने वाले विद्यार्थियों के लिए एक नैदानिक

परीक्षण का प्रयोग कर सकते हैं। कुछ विषयों को भी बताइये जिन्हें कि आप नैदानिक परीक्षण में शामिल करना चाहेंगे।

बी.ई.एस.–128 : एक समावेशी विद्यालय का निर्माण

1. शिक्षा में विविधता और समावेशन से आप क्या समझते हैं? सविस्तार परिचर्चा कीजिए।
2. एक समावेशी कक्षाकक्ष के लिए विविध शिक्षण–अधिगम रणनीतियों की परिचर्चा कीजिए।
3. एक समावेशी कक्षाकक्ष में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक छात्राध्यापक के रूप में आप किन–किन व्यनुकूलनों (एडाप्टेशन) का सुझाव देते हैं?

बी.ई.एस.–129 : जेन्डर, विद्यालय और समाज

1. विविध आधारभूत जेन्डर अवधारणाओं की सविस्तार परिचर्चा कीजिए।
2. कक्षाकक्ष में जेन्डर संवेदनशील शिक्षण–अधिगम वातावरण का सृजन करने के लिए विविध उपागमों की परिचर्चा कीजिए।
3. एक छात्राध्यापक के रूप में आप कक्षाकक्ष में जेन्डर–समानता को किस प्रकार बढ़ावा देंगे?

बी.ई.एस.ई.–131 : मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा

1. दूरस्थ शिक्षा के लिए मूलाधार/तर्काधार की व्याख्या कीजिए।
2. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकीय अनुप्रयोगों के महत्व की परिचर्चा कीजिए।
3. ''मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा की सफलता के लिए प्रभावी शिक्षार्थी सहायक सेवाएं निर्णायक हैं।'' कथन को न्यायोचित ठहराइये।

बी.ई.एस.ई.–132 : मार्गदर्शन और परामर्श

1. विद्यालयों में मार्गदर्शन की विविध गैर–मानकीकृत तकनीकों की परिचर्चा कीजिए। माध्यमिक विद्यालय शिक्षार्थियों में सामाजिक माध्यम (सोशल मीडिया) के प्रयोग का पता लगाने के लिए एक प्रश्नावली तैयार कीजिए और प्रभाव में लाइये। लब्धियों के शैक्षिक निहितार्थों की परिचर्चा कीजिए।
2. करियर का चयन करने में बालिकाओं द्वारा सामना की जा रही मुख्य कठिनाइयों की परिचर्चा कीजिए। इन कठिनाइयों को दूर करने में शिक्षक उनकी किस प्रकार सहायता कर सकते हैं?
3. परामर्श के निर्देशीय और अनिर्देशीय (डाइरेक्टिव ऐन्ड नान–डाइरेक्टिव) उपागमों की परिचर्चा कीजिए।

बी.ई.एस.ई.–133 : किशोरावस्था और परिवार शिक्षा

1. किशोरावस्था शिक्षा में नैतिक मुद्दों की परिचर्चा कीजिए। किशोरों के नैतिक मुद्दों का समाधान करने शिक्षकों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।
2. 'यौन स्वास्थ्य' (सेक्सुअल हेल्थ) और 'यौन संचारित संक्रमणों' (एस.टी.आई.) को परिभाषित कीजिए। यौन संचारित संक्रमणों और उनके लक्षणों का वर्णन कीजिए।
3. 'परामर्श' से आप क्या समझते हैं? एक परामर्शदाता के लिए आवश्यक परामर्श कौशलों की परिचर्चा कीजिए।

बी.ई.एस.ई.–135 : प्रौद्योगिकी सूचना और संचार

1. आई.सी.टी. के अर्थ और प्रकृति की व्याख्या कीजिए। कक्षाकक्ष शिक्षण और आभासी (वर्चुअल) अधिगम वातावरण में आई.सी.टी. की भूमिका की परिचर्चा कीजिए।

2. ऑनलाइन/वेब–आधारित आकलन का क्या अर्थ है? निबन्धात्मक प्रकार की परीक्षाओं में विद्यार्थियों के निष्पादन का आकलन करने क लिए ऑनलाइन विधि (ऑनलाइन मोड) का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है? परिचर्चा कीजिए।
3. अपने नियतकार्यों को लिखते समय और अपनी परियोजनाओं पर कार्य करते समय इन्टरनेट पर उपलब्ध अधिगम संसाधनों का प्रयोग विद्यार्थियों द्वारा किस प्रकार सही तरीके से किया जा सकता है? व्याख्या कीजिए।

****